

<यूहन्ना ३:१६> क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

8
येशू ने आपको प्यार करते हैं और वे आपके लिए अद्भुत परियोजना बनाते हैं।



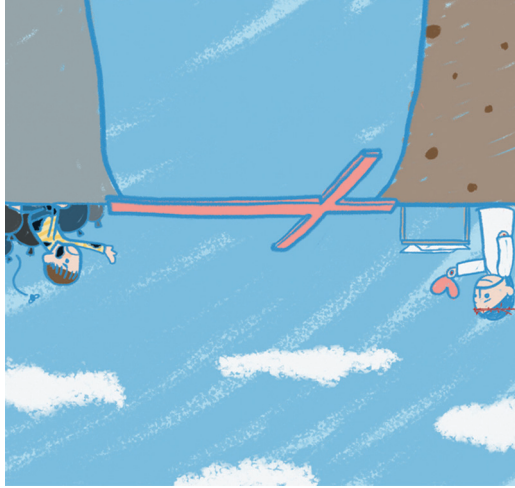
<यूहन्ना ३:१३> इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित है,

2
पाप आपको और आपके बीच एक लंबी दूरी बनाकर आपको ईश्वर से अलग रखता है।



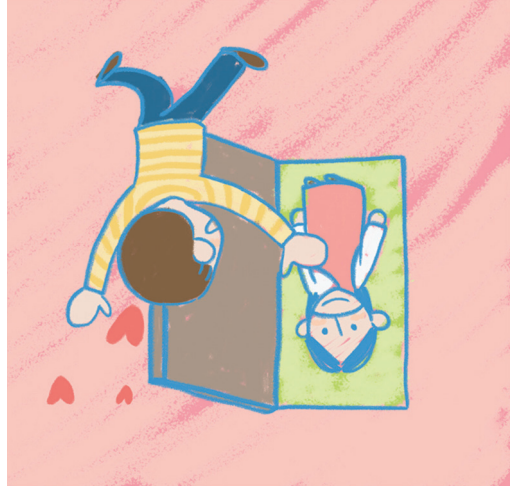
<१ पतरस ३:१८> इसलिये कि मसीह ने भी, अर्थात् अधर्मियों के लिये धर्म ने, पापों के कारण एक बार दुःख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुँचाए; वह शरीर के भाव से तो घात किया गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया।

3
येशू ने आपके लिए अपना जीवन दिया और केवल उसी के माध्यम से आप परमेश्वर के पास जा सकते हैं।



<यूहन्ना १:१२> परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।

8
यदि आप अपने जीवन में येशू का स्वागत करते हैं, तो आप परमेश्वर के बच्चे हो सकते हैं।



बच्चों के लिए 8 प्रकार के धार्मिक कहानियां



हमेशा के लिए याद रखिये।

<यूहन्ना ३:१६> क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

<यूहन्ना ३:२३> इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं,

<१ पतरस ३:१८> इसलिये कि मसीह ने भी, अर्थात् अधर्मियों के लिये धर्म ने, पापों के कारण एक बार दुःख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुँचाए; वह शरीर के भाव से तो घात किया गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया।

<यूहन्ना १:१२> परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।

साथ में मिलकर प्रार्थना करें।

प्रभु येशु मसीह, मैं आप पर विश्वास करना चाहता हूँ। क्रूस में मेरे लिये अपने प्राण की कुर्बानी देकर, मेरे पापों की कीमत चुकाने के लिए

लिए बहुत बहुत धन्यवाद। अब, मैं अपने हृदय का द्वार खोलकर येशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता और अपने परमेश्वर के रूप में ग्रहण करता हूँ। मेरे पापों को क्षमा करने के लिए और मुझे अनन्त

जीनी देने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद आपको। मुझ पर शासन कीजिए और मुझे आपकी पसंद का व्यक्ति बनाएं जो आप चाहते हैं। मैं येशु मसीह के नाम में प्रार्थना करता हूँ। आमीन



समय

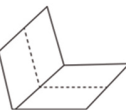
स्थल

उमर

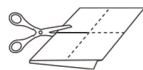


(प्रेरितों 16:31)
उन्होंने कहा, "प्रभु येशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।"

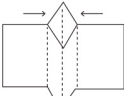
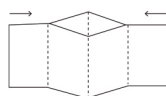
हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?



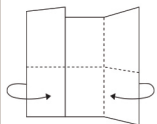
2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।



काटनेके रेखा ———

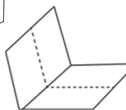


3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

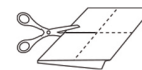


7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!

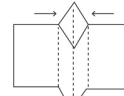
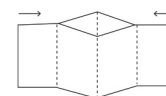
हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?



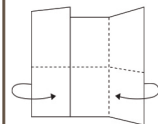
2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।



काटनेके रेखा _____

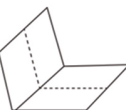


3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

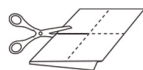


7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!

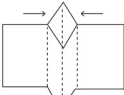
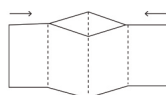
हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?



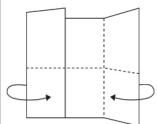
2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।



काटनेके रेखा _____

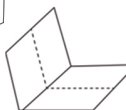


3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

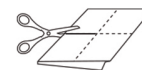


7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!

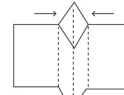
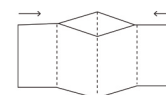
हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?



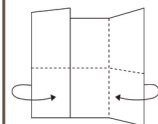
2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।



काटनेके रेखा _____



3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।



7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!